

औषधीय पादपों का भंडारण

2067. श्री एंटो एन्टोनी:

क्या आयुष मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) सरकार द्वारा औषधीय पादपों की कृषि तकनीकों, फसलोत्तर प्रबंधन और भंडारण को बढ़ावा देने के लिए वित्तपोषित अनुसंधान और विकास परियोजनाओं का ब्यौरा क्या है;
- (ख) उक्त परियोजना के अंतर्गत संरक्षण और संसाधन संवर्धन हेतु अभिनिर्धारित औषधीय पादपों का ब्यौरा क्या है;
- (ग) औषधीय पादप संसाधनों के संरक्षण और संवर्धन के लिए केरल में क्या सुधारात्मक उपाय किए गए हैं और इस संबंध में कितनी प्रगति हुई है; और
- (घ) विशेष रूप से केरल में किन-किन औषधीय पादपों की प्रजातियों को संरक्षण और विकास हेतु प्राथमिकता दी गई है?

उत्तर

आयुष मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

(श्री प्रतापराव जाधव)

(क) और (ख): वर्तमान में, राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड (एनएमपीबी), आयुष मंत्रालय, भारत सरकार, 'औषधीय पादप संरक्षण, विकास और सतत प्रबंधन' पर अपनी केन्द्रीय क्षेत्रीय योजना (सीएसएस) के तहत देश भर में सरकारी के साथ-साथ निजी विश्वविद्यालयों/अनुसंधान संस्थानों/संगठनों को कृषि-तकनीकों, फसलोपरांत प्रबंधन और औषधीय पौधों के भंडारण सहित औषधीय पौधों के विभिन्न पहलुओं पर अनुसंधान गतिविधियां आरम्भ करने के लिए परियोजना-आधारित वित्तीय सहायता प्रदान करता है। पिछले पाँच वर्षों के दौरान कृषि-तकनीकों, फसलोपरांत प्रबंधन और औषधीय पौधों के भंडारण पहलुओं के लिए समर्थित परियोजनाओं के ब्यौरे **संलग्नक-I** में दिए गए हैं। कृषि-तकनीकों, फसलोपरांत प्रबंधन और औषधीय पौधों के भंडारण संबंधी पहलुओं के लिए 'औषधीय पादप संरक्षण, विकास और सतत प्रबंधन' पर अपनी केन्द्रीय क्षेत्रीय योजना (सीएसएस) के तहत समर्थित परियोजनाओं से संरक्षण और संसाधन संवर्धन के लिए अभिचिन्हित औषधीय पौधों की सूची **संलग्नक-II** में दी गई है।

(ग): एनएमपीबी, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार ने उक्त वर्णित योजना के तहत, केरल के राज्य वन विभाग को औषधीय पौधों के संरक्षण और संसाधन संवर्धन के लिए परियोजना-आधारित सहायता भी प्रदान की है। इस संबंध में, औषधीय पौधों के संसाधन संवर्धन के लिए 987.97 हेक्टेयर क्षेत्र को कवर करने के लिए 33 परियोजनाओं को सहायता प्रदान की गई है।

(घ): केरल में उपरोक्त परियोजनाओं के तहत, औषधीय पौधों की प्रजातियों नामतः एब्रस प्रिकेटोरियस, एगल मार्मेलोस, आर्टोकार्पस हिर्सुटस, एस्पेरेगस रेसमोसस, अधाटोडा वासिका, कैलोट्रोपिस प्रोसेरा, सेंटैला एशियाटिका, कॉक्सिनीयम फेनेस्ट्रेटम, कैसलपिनिया सैप्पन, डेस्मोडियम गैंगेटिकम, डायसॉक्सिलम मालाबारिकम, इवोल्बुलुस अलसिनोइडस, गार्सिनिया इंडिका, ग्लोरियोसा सुपरबा, हेमाइडसमस इंडिकस, मेसुआ फेरिया, निक्टेन्थेस आर्बर-ट्रिस्टिस, ओसीमम टेनुइफ्लोरम, पाइपर लॉंगम, राउवोल्फिया सर्पेटिना, सैंटालम एल्बम, स्मिलैक्स ज़ेलेनिका, सिम्प्लोकोस कोचिनचिर्नेसिस, स्टीरियोस्पर्मम कोलाइस, और टर्मिनलिया चेबुला आदि को संरक्षण और संसाधन संवर्धन के लिए सहायता प्रदान की जाती है।

पिछले पांच वर्षों के दौरान कृषि-तकनीकों, फसलोपरांत प्रबंधन और औषधीय पौधों संबंधी भंडारण के पहलुओं के लिए 'औषधीय पादप संरक्षण, विकास और सतत प्रबंधन' पर अपनी केंद्रीय क्षेत्रीय योजना (सीएसएस) के तहत समर्थित अनुसंधान और विकास परियोजनाओं के ब्यौरे:

क्र. सं.	परियोजना का शीर्षक और औषधीय पौधों की प्रजातियाँ	संगठन विवरण	स्वीकृत राशि
कृषि-तकनीकें			
1	आनुवंशिक स्टॉक विकास, उत्तम कृषि पद्धतियों (जीएपी) का मानकीकरण और स्यूडार्थिया विससिडा (एल.) - एक 'रेड लिस्टेड' उच्च मात्रा व्यापार औषधीय पादप का बाजार विश्लेषण। औषधीय पौधों की प्रजातियाँ: <i>स्यूडार्थिया विससिडा</i>	केरल कृषि विश्वविद्यालय, त्रिशूर	35.150
2	जम्मू और कश्मीर में बाह्य-स्थाने खेती के लिए <i>रयूम इमोडी</i> , <i>सॉसुरिया कोस्टस</i> , <i>पोडोफाइलम हेक्सेन्ड्रम</i> और <i>अकोनिटम</i> प्रजातियों के लिए उत्तम कृषि पद्धतियों का संरक्षण, जैव-पूर्वक्षण और विकास। औषधीय पौधों की प्रजातियाँ: <i>रयूम इमोडी</i> , <i>सोसुरिया कोस्टस</i> , <i>पोडोफाइलम हेक्सांद्रम</i> और <i>अकोनिटम हेटरोफिलम</i>	सीएसआईआर-भारतीय समवेत औषध संस्थान, सनत नगर, श्रीनगर	26.268
फसलोपरांत प्रबंधन			
3	<i>सेरेका असोका</i> (रोक्सब.) डी वाइल्ड की छाल के गैर-विनाशकारी विकल्पों का पता लगाना और उनका मूल्यांकन करना। औषधीय पौधों की प्रजातियाँ: <i>सेरेका असोका</i>	गवर्नमेंट साइन्स कॉलेज, भिलाड, वीएनएसजीयू, उधान-सूरत	12.199 जीएससी भिलाड 12.300 वीएनएसजीयू
4	चयनित हर्बल कच्चे माल में माइकोटॉक्सिन, फफूंद और भारी धातु संदूषण तथा फसलोपरांत प्रसंस्करण के दौरान माइकोटॉक्सिन अवरोधक के रूप में कुछ पारंपरिक रूप से प्रयुक्त पादप उत्पादों की प्रभावकारिता। औषधीय पौधों की प्रजातियाँ: <i>फिलेंथस एम्ब्लिका</i> , <i>टीनोस्पोरा कॉर्डोफोलिया</i> , <i>एन्ड्रोग्राफिस पैनिक्जुलेटा</i> , <i>सेन्ना एलेक्जेंड्रिना</i> , <i>हेमिडेस्मस इंडिकस</i> , <i>विथानिया सोम्नीफेरा</i> और <i>एस्पैरागस रेसमोसस</i> ।	बी.एच.यू., वाराणसी	39.580
भंडारण			
5.	<i>बैकोपा मोनिएरी</i> में आनुवंशिक वृद्धि और फसलोपरांत अध्ययन। औषधीय पौधे की प्रजातियाँ: <i>बैकोपा मोनिएरी</i>	भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्थान, बैंगलोर	31.960
6.	पेटेंट प्रक्रिया और प्रौद्योगिकी अंतरण को अपनाकर <i>विथानिया सोम्नीफेरा</i> में द्वितीयक मेटाबोलाइट्स की फसल-पूर्व और फसलोपरांत वृद्धि। औषधीय पौधों की प्रजातियाँ: <i>विथानिया सोम्नीफेरा</i>	पद्मश्री इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड साइंसेज, बैंगलोर	18.938

परियोजनाओं से संरक्षण और संसाधन संवर्धन के लिए अभिचिन्हित औषधीय पौधों, जिन्हें कृषि-तकनीकों, फसलोपरांत प्रबंधन और औषधीय पौधों के भंडारण संबंधी पहलुओं के लिए 'औषधीय पादप संरक्षण, विकास और सतत प्रबंधन' पर केंद्रीय क्षेत्रीय योजना (सीएसएस) के तहत सहायता प्रदान की गई थी, की सूची निम्न प्रकार हैं:

क्र.सं.	पादप प्राजातियां
1.	स्यूडार्थ्रिया विससीडा
2.	रयूम इमोडी
3.	सौसुरिया कोस्टस
4.	पोडोफाइलम हेक्सेन्ड्रम
5.	अकोनिटम हेटरोफिलम
6.	सेरेका असोका
7.	फिलेंथस एम्ब्लिका
8.	टिनोस्पोरा कॉर्डीफोलिया
9.	एन्ड्रोघ्राफिस पैनिक्जुलेटा
10.	सेन्ना एलेक्जेंड्रिना
11.	हेमिडेस्मस इंडिकस
12.	विथानिया सोम्नीफेरा
13.	एस्पेरेगस रेसमोसस
14.	बैकोपा मोनिएरी